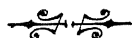


॥ श्रीः ॥

भक्तवर सुरदास कृत—

सूर रामायण



सत्यजीवन वर्मा एम० ए०

द्वारा सम्पादित



दुर्गाप्रसाद खत्री

प्रोप्राइटर लहरी बुकडिपो, द्वारा

[प्रकाशित]



[इस ग्रन्थ का कुल अधिकार प्रकाशक को है]



प्रथम बार]

१९२५

[मूल्य १८]